



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 407]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जून 26, 1992/असाध 5, 1914

No. 407]

NEW DELHI, FRIDAY, JUNE 26, 1992/ASADHA 5, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

कृषि मंत्रालय

(पशु पालन और डेरी विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 26 जून, 1992

का. आ. 470(अ)—दुग्ध और दुग्ध-उत्पाद आदेश, 1992 के
पैरा 20 के उप पैरा (2) में विनिर्दिष्ट बातों को ध्यान में रखते हुए,
मेरा यह समाधान हो गया है कि हरियाणा राज्य में तरल दुग्ध के प्रदाय
को बनाए रखने और उसमें अभिवृद्धि के लिए ऐसा करना आवश्यक है।

अतः, अब, मैं दुग्ध और दुग्ध-उत्पाद आदेश, 1992 के पैरा 27 के
साथ पठित पैरा 20 के उप पैरा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग
कर हुए, निम्नलिखित आदेश करता हूँ, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम, विस्तार और आरंभ—(1) इस आदेश का
संक्षिप्त नाम हरियाणा (दुग्ध निर्यात) नियंत्रण आदेश,
1992 है।

(2) यह संपूर्ण हरियाणा राज्य पर लागू होगा।

(3) यह राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगा और
31 जुलाई, 1992 का प्रभाव होना होगा।

परन्तु इस आदेश की समाप्ति प्रवर्तन की ऐसी सन्धि से पहले की
गई या करने में लोप की गई किसी बात के बावजूद उसके प्रवर्तन की
प्रमाणित नहीं करेगी।

2. परिभाषाएँ—इस आदेश में, जब तक संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित
न हो,—

(क) “निर्यात” में हरियाणा राज्य में किसी स्थान से भारत के
राज्यपत्र के अन्तर्गत किसी स्थान को किसी भी रीति से ले
जाता या ले जाने वाला अभिप्रेत है।

(ख) “दुग्ध” से गाय, भैंस, भेड़, बकरी का दुग्ध या उसका कोई
संमिश्रण अभिप्रेत है जो प्राकृतिक हो या किसी भी रीति
में प्रसंस्कृत हो और इसमें पास्तेरीकरण, रागाणूनाशित, पुनः
संयोजित, सुकृषिकारित, आम्लन, मखनिया टोंड, डबल टोंड,
मानकीकरण या संपूर्ण क्रोम दुग्ध है।

3. दुग्ध निर्यात पर प्रतिबंध—कोई व्यक्ति दुग्ध का निर्यात नहीं
करेगा।

4. प्रवेश, तलाशी और अभिग्रहण की शक्ति—(1) अपनी-अपनी
अधिकारिता के क्षेत्र में कोई कार्यपालक मजिस्ट्रेट, हेड कांस्टेबल से अधिक
पंक्ति का कोई पुलिस आफिसर, सहायक आध और सप्लाय अधिकारी से

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Animal Husbandry and Dairying)

ORDER

New Delhi, the 26th June, 1992

S.O. 470(E).—Whereas, having regard to the factors specified in sub-paragraph (2) of paragraph 20 of the Milk and Milk Product Order, 1992, I am satisfied that in order to maintain and increase the supply of liquid milk in the State of Haryana, it is necessary so to do;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-paragraph (1) of paragraph 20, read with paragraph 27, of the Milk and Milk Product Order, 1992, I hereby make the following Order, namely :—

अन्यून पक्षि का खाद्य मन्त्रालय विभाग का कोई अधिकारी, महायक आधिकारी और कर्षात आधिकारी से अन्यून पक्षि का आधिकारी और कर्षात विभाग का कोई अधिकारी, महायक सोसायटियों का महायक रजिस्ट्रार, हरियाणा पशु चिकित्सा सेवा वर्ग 2 से अन्यून पक्षि का पशुपालन का कोई अधिकारी जिसमें पशु चिकित्सा अन्य चिकित्सक भी हैं, महायक सामायटियों का निरोधक और हरियाणा पशु चिकित्सा सेवा वर्ग-2 से अन्यून पक्षि का हरियाणा डेरी विकास विभाग का कोई अधिकारी या ऐसा कोई अन्य अधिकारी या पदाधिकारी जिसे राज्य सरकार अधिसूचना द्वारा इस निमित्त नियुक्त करे, इस आदेश का पालना सुनिश्चित करने की दृष्टि से या करना यह समाधान करने के लिए कि इस आदेश को पालना को जा रहा है :—

(क) तरल दुग्ध के निर्यात के लिए प्रयुक्त या उपयोग के लिए आयातित किसी भी नौक मोटर या अन्य यान या कोई पात्र या मशीनरी या किसी व्यक्ति को रोक सकेगा और तलाशी ले सकेगा ;

(ख) किसी ऐसे स्थान या परिसर में प्रवेश कर सकेगा और तलाशी ले सकेगा जो दुग्ध के विनिर्माण, विक्रय, पूर्ण या प्रभाव के लिए प्रयोग को जा रहा है ;

(ग) किसी दुग्ध या किसी स्टॉक का अभिग्रहण कर सकेगा जिसको बाधत उसके पास यह विश्वास करने का कारण है कि इस आदेश के किसी उपबन्ध का उल्लंघन किया गया है, किया जा रहा है या किया जाने वाला है ;

(घ) किसी स्थान पर या परिसर में पैकेजों, आर्बोस्टकों, पात्रों या मशीनरी के साथ जिसमें दुग्ध पाया गया हो या निर्यात के लिए दुग्ध लै जाने के लिए प्रयुक्त पशुओं, यानों, नौकाओं या अन्य प्रवहनों का अभिग्रहण या अभिग्रहण को प्राधिकृत कर सकेगा और उसके पश्चात् इस प्रकार अभिग्रहीत पैकेज, आर्बोस्टकों, पात्रों, मशीनरी, पशुओं, यानों, जलयानों, नौकाओं या अन्य प्रवहनों का कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किए जाने और प्रस्तुत किए जाने के दौरान उनकी सुरक्षित अभिरक्षा सुनिश्चित करने के सभी आवश्यक उपाय करेगा ।

(ङ) किसी व्यक्ति को जो दुग्ध के किसी ऐसे स्टॉक का स्वामी है या उसके कब्जे में है जिसकी बाधत उसके पास यह विश्वास करने का कारण है कि इस आदेश के किसी उपबन्ध का उल्लंघन किया गया है, या किया जा रहा है या किया जाने वाला है निम्नलिखित आदेश द्वारा यह निर्देश दे सकेगा कि दुग्ध के ऐसे स्टॉक या पैकेज, आर्बोस्टक या पात्र जिसमें उक्त दुग्ध पाया गया है या दुग्ध के वहन में प्रयुक्त किसी पशु, यान, जलयान या अन्य प्रवहन को ऐसे आदेश देने वाले अधिकारी के अगले निर्देश के बिना किसी भी रीति में हटाए या अपव्यक्त करे ।

(2) तलाशी और अभिग्रहण से संबंधित दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 100 के उपबन्ध, यावत्तक, इस खंड के अधीन की गई तलाशी और अभिग्रहण का लागू होवे ।

5. इस आदेश में किसी बात के होने हुए भी, राज्य सरकार, आदेश द्वारा, उन कारणों से जो लेख्य किए जाएंगे, लोक जिन में, हरियाणा राज्य से बाहर दुग्ध का निर्यात करने या निर्यात किए जाने की छुट दे सकेगा ।

[फा. सं. 9-7/92- डी पी]

डी सी नि. नि. नि. नि. नि.

1. Short title, extent and commencement.—(1) This order may be called the Haryana (Milk Export) Control Order, 1992.

(2) It extends to the whole of the State of Haryana.

(3) It shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette and shall cease to operate at the expiry of the 31st day of July, 1992.

Provided that the expiry of this Order shall not affect the operation thereof in respect of things done or omitted to be done before such cesser of operation.

2. Definitions.—In this Order, unless the context otherwise requires,—

(a) "Export" means to take or cause to be taken by any means whatsoever, out of any place from the State of Haryana to any place within the territory of India;

(b) "Milk" means milk of cow, buffalo, sheep, goat or a mixture thereof, either raw or processed in any manner and includes pasteurised, sterilized, recombined, flavoured, acidified, skimmed, toned, double toned, standardised or full cream milk.

3. Prohibition of export of milk.—No person shall export milk.

4. Power of entry, search, seizure.—(1) Any Executive Magistrate, any Police Officer, not below the rank of Head Constable, any Officer of the Food and Supplies Department not below the rank of an Assistant Food and Supplies Officer, any officer of the Excise and Taxation Department not below the rank of Assistant Excise and Taxation Officer, Assistant Registrar of Co-operative Societies, any officer of the Animal Husbandry not below the rank of Haryana Veterinary Services, Class-II including Veterinary Surgeon, Inspector of Co-operative Societies and any officer of the Haryana Dairy Development Department, not below the rank of Haryana Veterinary Services Class-II within the area of their respective jurisdiction or any officer or official, as the State Government may by notification, appoint in this behalf, may with a view to securing a compliance of this Order or to satisfying himself that this Order is being complied with :—

(a) stop and search any person or any boat, motor or other vehicle or any receptacle or machinery used or intended to be used for the export of liquid milk;

(b) enter and search any place or premises which is used for the manufacture, sale, service or supply of milk;

(c) seize any stock or any milk in respect of which he has reason to believe that a contrivention of any of the provisions of this order has been, is being or is about to be committed;

(d) seize or authorise the seizure of any milk in any place or premises together with packages, covering receptacles or machinery in which milk is found or the animals, vehicles, boats or other conveyance

used for carrying milk for export and thereafter take all measures necessary for securing the production of packages, covering, receptacles, machinery, animals, vehicles, vessels, boats or other conveyance so seized before the Collector for their safe custody pending such production.

- (e) direct by an order in writing any person who owns or is in possession of any stocks of milk in respect of which he has reason to believe that a contravention of the provisions of this order has been, is being or is about to be committed, not to remove or dispose off in any manner such stock of milk or package covering or receptacle in which such milk is found, or any animal, vehicle, vessel or other conveyance used in carrying milk without further direction from the officer making such order.

(2) The provisions of section 100 of the Code of Criminal procedure, 1973 (2 of 1974) relating to search and seizure shall, so far as may be, apply to search and seizure, under this clause.

5. Exemption.—Notwithstanding anything contained in this Order, the State Government may by order, for reasons to be recorded in writing, grant exemption in public interest to export or cause to be exported milk out of the State of Haryana.

[F. No. 9-7/92-DP]

D. C. MISRA, Controller

आदेश

नई दिल्ली, 26 जून, 1992

क्र. घा. 471(घ).—दुग्ध और दुग्ध-उत्पाद आदेश, 1992 के पैरा 20 के उप पैरा (2) में विनिर्दिष्ट बातों का ध्यान रखते हुए, पैरा यह समाधान हो गया है कि हरियाणा राज्य में दूध दुग्ध का प्रवाह बनाए रखने और उसमें वृद्धि करने के लिए ऐसा करना आवश्यक है;

अतः, दूध और दुग्ध उत्पाद आदेश, 1992 के पैरा 27 के साथ पठित पैरा 20 के उप पैरा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं निम्नलिखित आदेश करता हूँ, अर्थात्—

1. संक्षिप्त नाम, विस्तार और प्रारम्भ.—(1) इस आदेश का संक्षिप्त नाम हरियाणा (दुग्ध उत्पाद) नियंत्रण आदेश, 1992 है।

(2) इसका विस्तार सम्पूर्ण हरियाणा राज्य पर है।

(3) यह राजपत्र में प्रकाशन की तारीख का प्रवृत्त होगा और जुलाई, 1992 के 31वें दिन के अवसान पर प्रवृत्त नहीं रह जाएगा।

परन्तु इस आदेश के अवसान से ऐसी बातों के मक्ष में उसके प्रवृत्ति पर प्रभाव नहीं पड़ेगा, जो प्रवृत्ति के ऐसे समाप्ति हो जाने के पूर्व की गई या करने से संपन्न की गई हैं।

2. परिभाषा—इस आदेश में, जब तक कि संदर्भ में अन्यथा स्पष्टित न हो,—

(क) "दुग्ध" से दूध, सैंन, स्केड, बकरा का दुग्ध या उनका कोई मिश्रण, चाहे आगिकृत हो या किसी भा रणि में संसाधित किया गया हो, अभिप्रेत है और इसके अन्तर्गत पाश्चुरिज, रेसालेनसिज, पुन-संयोजित मूलविकारित, अम्लित, मखनिया, टास्ट, डबल टास्ट, मानकीकृत या पूर्ण घन दुग्ध है;

(ख) "दुग्ध उत्पाद" से अभिप्रेत है—

(i) सम्पूर्ण दुग्ध वर्ण;

(ii) मखनिया दुग्ध वर्ण;

(iii) संयोजित दुग्ध (मसुरित और अमसुरित);

(iv) पनीर और छेना;

(v) संसाधित चीज़;

(vi) खीरा;

(vii) खीरा, पनीर और छेना में बनी मिठाईयां;

(viii) देमा घा या बटर आयल (बाहे जो बा नाम दिया गया हो);

(ix) केमल।

3. दुग्ध के दुग्ध-उत्पाद के रूप में संयोजित और दुग्ध उत्पाद के विक्रय, परीक्षण या प्रवाह पर प्रतिषेध—

(क) कोई भी व्यक्ति बिना दुग्ध उत्पाद के विनिर्माण के लिए दूध का उपयोग नहीं करेगा।

(ख) कोई भी व्यक्ति खीरा या पनीर या छेना या केमल अथवा खीरा, पनीर या छेना में बनी मिठाई का विक्रय नहीं करेगा, उसे परीक्षण नहीं या उसका प्रवाह नहीं करेगा अथवा उसका प्रवाह करेगा, उसे परीक्षण नहीं या उसका प्रवाह नहीं करेगा अथवा उसे विक्रय, परीक्षण या प्रवाह के लिए बाज़े में नहीं लड़ेगा।

परन्तु यह कि हमदण्ड की कोई बात ऐसे दूध के उपयोग को लागू नहीं होगी जो—

(i) ऐसी आइसक्रीम, कुल्फी या कुल्फा के, जिसके निवार करने में खीरा या बटर का उपयोग नहीं किया जाता है, विनिर्माण, विक्रय, सेवा या प्रवाह के लिए है;

(ii) ऐसे दुग्ध और दुग्ध उत्पाद के विनिर्माण, विक्रय, परीक्षण या प्रवाह के लिए है, जिसका राज्य सरकार, रक्षा बलों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए, आदेश द्वारा अनुज्ञा है;

(iii) नेशनल डेरी रिसर्च इंस्टीट्यूट, कानपुर द्वारा प्रशिक्षण और अनुसंधान के प्रयोजन के लिए किम दुग्ध उत्पाद के विनिर्माण और विक्रय के लिए है।

4. प्रवेश, अन्तर्गति, अभिगृहण आदि का अधिकार—

(1) कोई कार्यपालक मास्टर्ड और पुलिस आफिसर, जो हैड कास्टेबल की पंक्ति से नीचे का न हो, खाद्य और पूति विभाग का कोई अधिकारी जो महायक खाद्य और पूति अधिकारी की पंक्ति से नीचे का न हो, उत्पाद शुल्क और कराधान विभाग का कोई अधिकारी, जो महायक उत्पाद शुल्क और कराधान अधिकारी का पंक्ति से नीचे का न हो, पशुपालन विभाग का कोई अधिकारी जो हरियाणा पशु सेवा वर्ग 2, जिसके अन्तर्गत पशु चिकित्सा, पशु चिकित्सक और हरियाणा डेरी विकास विभाग का कोई अधिकारी, जो हरियाणा पशु सेवा वर्ग 2 की पंक्ति से नीचे का न हो, अन्तर्गत अधिकारिता के क्षेत्र के भीतर अथवा राज्य सरकार का कोई अन्य अधिकारी या पदवी, जो इस अधिसूचना द्वारा इस निमित्त नियुक्त किया जाए, इस आदेश का पालन सुनिश्चित करने की दृष्टि से अपना अपना समाधान करने के लिए, कि इस आदेश का अनुपालन किया जा रहा है—

(क) दुग्ध उत्पाद के विनिर्माण, विक्रय, परीक्षण या प्रवाह के लिए उपयोग किए गए/की गई या उपयोग किए जाने के लिए धारा-द्वितीय किसे व्यक्ति या किसी सोफा, मोटर या अन्य यान या किसी वाहन अथवा मशीनरी को रोक सकेगा और उसकी तलाशी ले सकेगा।

(ख) किसी ऐसे स्थान या परिसर में, जिसका दुग्ध उत्पाद के विनिर्माण, विक्रय, परीक्षण या प्रवाह के लिए उपयोग किया जाता है, प्रवेश कर सकेगा और उसकी तलाशी ले सकेगा।

(न) किसी स्थान या परिमर में किसी दुग्ध उत्पाद का, ऐसे पैकेजों, आर्बेटकों, पात्रों या मशीनरी सहित, जिसमें दुग्ध उत्पाद पाया गया है, या जिसके साथ दुग्ध उत्पाद का बित्तिर्माण किया गया है प्रयुक्त दुग्ध उत्पाद को ले जाने से प्रयुक्त पशुओं, यानों, जलयानों, नौकाओं या अन्य वाहन का अभिग्रहण कर सकेगा या उसके अभिग्रहण को प्राधिकृत कर सकेगा और तत्पश्चात् इस प्रकार अभिग्रहीत पैकेजों, आर्बेटकों, पात्रों या मशीनरी पशुओं, यानों, नौकाओं या अन्य वाहनों का किसी न्यायालय में पेश किया जाना सुनिश्चित करने के लिए और ऐसा पेश किया जाना लम्बित होने तक उनकी सुरक्षित अभिरक्षा के लिए सभी आवश्यक उपाय कर सकेगा।

(2) तलाशी और अभिग्रहण से संबंधित दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 100 के उपबन्ध, यावत्पूरा, इस खण्ड के अधीन तलाशी और अभिग्रहण को लागू होंगे।

[फा. सं. 9-7/92 डी।पी।]

डॉ. सी. मिश्रा, निपेक्षक

ORDER

New Delhi, the 26th June, 1992

S.O. 471(E).—Whereas having regard to the factors specified in sub-paragraph (2) of paragraph 20 of the Milk and Milk Product Order, 1992, I am satisfied that in order to maintain and increase the supply of liquid milk in the State of Haryana, it is necessary so to do;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-paragraph (1) of paragraph 20, read with paragraph 27 of the Milk and Milk Product Order, 1992, I hereby make the following Order, namely :—

1. Short title, extent and commencement.—(1) This Order may be called the Haryana (Milk Product Control Order, 1992.

(2) It extends to the whole of the State of Haryana.

(3) It shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette and shall cease to operate at the expiry of the 31st day of July, 1992.

Provided that the expiry of this Order shall not affect the operation thereof in respect of things done or omitted to be done before such cesser of operation.

2. Definition:—In this order, unless the context otherwise requires,—

(a) "Milk" means milk of cow, buffalo, sheep, goat or a mixture thereof, either raw or processed in any manner and includes pasteurised, sterilised, recombined, flavoured, acidified, skimmed, toned, double toned, standardised or full cream milk;

(b) "Milk Product" means :—

(i) Whole Milk Powder;

(ii) Skimmed Milk Powder;

(iii) Condensed Milk (Sweetened and un-sweetened);

(iv) Paneer and Channa;

(v) Processed Cheese;

(vi) Khoya;

(vii) Sweets made from Khoya, Paneer and Channa;

(viii) Desi Ghee or butter oil (by whatever name called);

(ix) Casein.

3. Prohibition on conversion of milk into milk product and sale, service or supply of milk product.

(a) No person shall use milk for the manufacture of any milk product.

(b) No person shall sell, serve or supply or cause to be sold, served or supplied or possess for sale, service or supply Khoya or Paneer or channa or Casein or sweets made from Khoya, Paneer or channa :

Provided that nothing in this clause shall apply to the use of milk,—

(i) for the manufacture, sale, service, or supply of ice-cream, kulfi or kulfa in the preparation of which no khoa or rubbree is used;

(ii) for the manufacture, sale, service or supply of such milk and product as the State Government may having regards to the needs of the Defence Forces, by an order, permit;

(iii) by the National Dairy Research Institute, Karnal for the manufacture and sale of any milk product for the purpose of training and research.

4. Power of entry, search, seizure etc.—(1) Any Executive Magistrate and Police Officer not below the rank of Head Constable, any officer of Food and Supplies Department not below the rank of any Assistant Food and Supplies Officer, any officer of the Excise and Taxation Department not below the rank of Assistant Excise and Taxation Officer, any officer of the Animal Husbandry Department, not below the rank of Haryana Veterinary Services Class-II including Veterinary Surgeon and any officer of the Haryana Dairy Development Department not below the rank of Haryana Veterinary Services Class-II, within the area of their respective jurisdiction or any other officer or official of the State Government may, by notification, appoint in this behalf, may, with a view to securing a compliance of this Order or to satisfying himself that this order is being complied with:—

(a) stop and search any person or any boat, motor or other vehicles or any receptacle or machinery used or intended to be used for the manufacture, sale, service or supply of milk product;

(b) enter and search any place or premises which is used, for the manufacture, sale, service or supply of milk product;

(c) seize or authorise the seizure of any milk product in any place or premises together with packages, coverings, receptacle or machinery in which milk product are found or with which such milk product are manufacture, or the animals, vehicles, vessels, boats or other conveyance used in carrying milk product and thereafter take all measures necessary for securing the production of packages, coverings, receptacles or machinery, animals, vehicles, boats or other conveyance so seized in a court and for their safe custody pending such production.

(2) The provisions of section 100 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974) relating to search and seizure shall, so far as may be, apply to searches and seizure under this clause.

[F. No. 9-7/92-DP]

D. C. MISRA, Controller